भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †167
सोमवार, 22 जुलाई, 2024/31 आषाढ़, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

केरल में कारवां पर्यटन

†167. डॉ. शशि थरूर:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को केरल राज्य में कारवां पर्यटन में आ रही कठिनाइयों की जानकारी है;

(ख) क्या सरकार ने उक्त राज्य में पर्यटकों को आकर्षित करने के इस संभावित लाभप्रद रूप का समर्थन करने के लिए राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने निवेश आकर्षित करने में पर्यटन परियोजनाओं की प्रभावकारिता को बेहतर ढंग से तैयार करने के लिए देश भर में पर्यटन के घटते रूपों का सर्वेक्षण किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार कारवां जैसे आकर्षक पर्यटक स्थल के समक्ष आ रही बाधाओं को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय पर्यटन नीति की समीक्षा करने का विचार रखती है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न पहलों के जरिए समग्र रूप से भारत का संवर्धन करता है। वर्तमान में जारी अपने कार्यकलापों के भाग के रूप में कारवाँ पर्यटन सहित भारत के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन किया जाता है।

पर्यटन उत्पादों का विकास संबंधित राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर अपनी योजनाओं के माध्यम से इन पहलों में सहायता करता है।

पर्यटन विभाग, केरल सरकार द्वारा सूचित किया गया है कि राज्य में कारवाँ पर्यटन के समक्ष आ रही समस्याओं के समाधान के लिए एक नोडल अधिकारी को नामित किया गया है। उन्होंने निवेशकों और पर्यटकों में कारवाँ पर्यटन को आकर्षक बनाने के लिए अनेक उपाय भी किए हैं।

*****